

फर्द अहकाम

कार्यालय सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) एवं उपखण्ड अधिकारी मावली, उदयपुर

आवेदना विपक्षी मोहनदास
 मुकदमा वाद पत्रावली संख्या 181/25 सन्

क्र	कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गई
<p>28/1/25 पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उप. साह्य पेडा करके का मौका चाहा। स्वतः वद की भर पर अतिर उबरकर दिया जाता है। आगामी पेडी पर आवश्यक कपरे साह्यवादी पेडा कर पत्रावली वास्ते साह्य वादी दिनांक 15/4/25 को पेडा हो।</p> <p>15/4/25 वकूलाय वादी/प्रतिवादी उप. साह्य वादी के लिबे मौका चाहते है। अतः सोमर अवसर दिया जाकर पत्रावली दि. 24/4/25 को पेश हो। (SDO) मावली</p> <p>24/4/25 वकूलाय वादी/प्रतिवादी उप. साह्य वादी के लिबे मौका चाहते है। अतः सोमर अवसर दिया जाकर पत्रावली दि. 5/6/25 को पेश हो। (SDO) मावली</p> <p>5/6/25 वकूलाय वादी/प्रतिवादी उप. 21184 (वादी) के लिबे मौका चाहते है। अतः सोमर अवसर दिया जाकर पत्रावली दि. 27/6/25 को पेश हो। (SDO) मावली</p> <p>27/6/25 पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता पक्षकारान उप. उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने/शोक सभा कर न्यायिक स्थगित रखने/अधिकारी जी अ भ्रमण/मीटिंग में पधार है। पत्रावली के क्रम में दिनांक 28/7/25 का पेश हो।</p>	<p>हस्ताक्षर पार्टी तथा सूचनाएं जारी की गई</p>	



28/7/25
वकुलाय वादी/प्रतिवादी उप. 21825/15
ने लिखे मौक़ा चाहते है। अतः दि. 8/8/25
अवकाश दिया जाकर पत्रावली दि. 11/8/25
को पेश हो।

(SDO) गवली

11/8/25
पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता पक्षकारान उप.।
उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा न्यायिक कार्य का
दखिंकार करने/शोक समा कर न्यायिक कार्य
स्थगित रखने/अधिकारी जी आज अवकाश/
भ्रमण/मीटिंग में पधारे है। पत्रावली पूर्व आदेश
के क्रम में दिनांक 25/8/25 को पेश हो।

DI°
2

25/8/25
पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता पक्षकारान उप.।
उपस्थित अधिवक्तागण द्वारा न्यायिक कार्य का
दखिंकार करने/शोक समा कर न्यायिक कार्य
स्थगित रखने/अधिकारी जी आज अवकाश/
भ्रमण/मीटिंग में पधारे है। पत्रावली पूर्व आदेश
के क्रम में दिनांक 23/9/25 को पेश हो।

DI°
2

23/9/25
पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता वादीगण मय स्वयं
वादीगण अनुपस्थित। अधिवक्ता वादीगण मय स्वयं वादीगण
को बार-बार आवाजे दिलवाई गई। समय सायं 5:00 PM
हो चुके हैं। स्वयं वादीगण एवं उनके अधिवक्ता सब तक
अनुपस्थित हैं। पत्रावली के अवलोकन से प्रकरण वर्तमान में
साध्य वादी में नियत हैं। वादीगण को साध्य हेतु लगभग
3 वर्ष का समय दिया जा चुका है परन्तु वादीगण द्वारा साध्य
पेश नहीं किये गये। इससे स्पष्ट जाहिर होता है कि
वादीगण अपने वाद के प्रति सजग नहीं हैं एवं मात्र प्रकरण
को लम्बा करना चाह रहे हैं। आज भी स्वयं वादीगण एवं
उनके अधिवक्ता अनुपस्थित हैं। अतः अधिवक्ता वादीगण मय
स्वयं वादीगण अनुपस्थित रहने पर वादीगण का वाद अदम
द्वारा अदम पेशी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फिसल
शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय सुले न्यायालय सुनाया गया।



सहायक कलक्टर
(SDO) गवली